राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

के अंतर्गत

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

जनसंचार विभाग

सत्र : 2021

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा 442001 महाराष्ट्र भारत

वेबसाइट: http://www.hindivishwa.ac.in

विद्यापीठ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

विभाग

जनसंचार विभाग

विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning, to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages, to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad, to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi, to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना, और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

हिंदी माध्यम से उच्च शिक्षा में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषयों यथा जनसंचार, जनजातीय अध्ययन व समाजकार्य, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र के अध्ययन और अनुशीलन को बढ़ावा देकर ज्ञान का विस्तार करना।मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित जनसंचार विभाग, मानवविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य केंद्र, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना और उसे समर्थ और कुशल व्यक्तित्व उपलब्ध कराना है।

2. विभाग/केंद्र की कार्ययोजना (Action Plan ofthe Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना। भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियों वाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्ययोजना

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य-श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।
4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देशीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार: प्रथम वर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. **विभाग/केंद्र का नाम : जनसंचार विभाग**
2. **पाठ्यक्रम का नाम : बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार**
3. **पाठ्यक्रम कोड :**
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**

(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1 जनसंचार एवं पत्रकारिता का मूल ज्ञान अर्जित करेगा। 2 भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का ज्ञानार्जन करके पत्रकारिता के माध्यम से भाषा के उत्थान में कार्य करेगा। 3 मीडिया का ज्ञान अर्जित करते हुए भारतीय एवं वैश्विक स्तर पर नैतिक दायित्व एवं मूल्य का विधि ज्ञान विकसित करेगा। 4 सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के दायित्व की समझ विकसित होगी। 5 अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी।	6 संचार कौशल में दक्षता प्राप्त करेगा। 7 प्रिंट मीडिया के विभिन्न कार्यक्षेत्र में निपुण बनेगा। 8 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, न्यू मीडिया एवं फोटोग्राफी के क्षेत्र संचालित विभिन्न तकनीकों का ज्ञान एवं कार्यक्रम निर्माण की क्षमता विकसित होगी। 9 डिजिटल संचार तकनीकी का ज्ञानार्जन एवं उपयोग करने की क्षमता विकसित होगी। 10 विज्ञापन एवं जनसंपर्क में क्षेत्र के लिए कार्यक्षमता बढ़ेगी। 11 शोध के क्षेत्र में ज्ञानार्जन करते हुए स्थानीय समस्याओं के प्रति संवेदनशीलतप बढ़ेगी। 12 सहभागी संचार का प्रयोग एवं सांगठनिक रूप से कार्य करने की क्षमता का निर्माण होगा।	13 मीडिया के व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र में निपुणता आएगी। 14 स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विधाओं में दक्ष पेशेवर,मूल्यपरक मीडिया कर्मी तैयार होंगे।

1 पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

बी. ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
प्रथम वर्षका प्रारूप

वर्ष	सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या एवं क्रेडिट (Core Course, code and credit)			योग
प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर		भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	2	08 क्रेडिट
			मोबाइल पत्रकारिता	2	
			जनमाध्यमों के लिए रिपोर्टिंग	2	
	द्वितीय सेमेस्टर		टेलीविजन पत्रकारिता	2	8 क्रेडिट
			मीडिया लेखन	2	
			मीडिया विधि एवं आचार संहिता	2	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1	पाठ्यचर्या का नाम	: भारतीय पत्रकारिता का इतिहास
2.	पाठ्यचर्या का कोड	:
3.	क्रेडिट	: 02
3.	सेमेस्टर	: प्रथम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	14
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- भारत के मुद्रण कला के इतिहास से परिचय कराया जाएगा। जिसमें मुद्रण कला, समाचार-पत्र, पत्रिका, काग़ज़ एवं संवाद समितियों के इतिहास के बारे में अध्ययन किया जाएगा।

1. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी भारतीय पत्रकारिता के इतिहास से भलीभांति परिचित हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से भारत में जनमाध्यमों की व्यवस्था से अवगत हो सकेंगे।
- इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी को मुद्रण कला के इतिहास को जानने में मदद मिलेगी।
- इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी पत्रकारिता के द्वारा जन चेतना लाने वाले समाज सुधारकों से परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/	कौशल विकास गतिविधि (Skill Development)		
मॉड्यूल-1	1 भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ 2 विलियम बोल्ट एवं जेम्स अगस्टस हिकी के समाचार-पत्र 3 भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता 4 हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास	**07**	**02**	**06**	**15**	**50%**
मॉड्यूल-2	1 स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेस की भूमिका 2 पत्रकार के रूप में स्वतंत्रता सेनानी 3 स्वतंत्रता पूर्व के मुख्य समाचार पत्र 4 स्वतंत्रता उपरांत भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	**07**	**02**	**06**	**15**	**50%**
योग		**14**	**04**	**12**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**	लक्ष्य **9**	लक्ष्य **10**	लक्ष्य **11**	लक्ष्य **12**	लक्ष्य **13**	लक्ष्य **14**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**-**	-	**-**	**X**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता ह
2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता ह

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन
बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
			कुल 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती ह□ लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतिकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• बर्नहार्ड, जिम (2007). हाउ न्यूजपेपर्स गेट देयर नेम्स. कोलंबियाः यूनिवर्सिटी आफ मिसौरी प्रेस. • एंड्रिज, अलेक्जेंडर (डि.सं. 2011). द हिस्टी आफ ब्रिटिश जर्नलिज्म वोल्यूम-1. आर. बेंटली. • दुबे, प्रो. श्यामाचरण (1986). संचार और विकास. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • श्रीधर, विजय दत्त (2016). भारतीय पत्रकारिता कोश .नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन. • जे.नटराजन - भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. दिल्लीः प्रकाशन विभाग. सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • मिश्र, कृष्ण बिहारी. हिंदी पत्रकारिताः जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि. दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ • अनुजा, डा. मंगला. भारतीय पत्रकारिताः नींव के पत्थर. भोपालः मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी • मिश्र, अच्युतानंद (सं.) हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड). भोपालः माखनलाल

		चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय • इंडिया कनेक्टेडः न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा, सुनेत्रा सेन नारायण और शालिनी नारायण (सं.), दिल्लीः सेज भाषा • Joglekar, K.G (2005) Press Freedom: The Indian Story, Publication Division, Ministry of Information and broadcasting, Govt of India • Jeffrey, Robin (2000) *Indians Newspaper Revolution: Capitalism, Politics and the Indian- Language Press 1977*-99, New Delhi: Oxford University Press • Ninan, Sevanti (2007) *Headlines from the Heartland: Reinventing the Hindi Public Sphere*, New Delhi: Thousand Oaks, Calif.: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	• **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : मोबाइल पत्रकारिता

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण : इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक मीडिया के नवाचार तकनीक से अवगत होते हुए मोबाइल पत्रकारिता की कार्य शैली में दक्षता हासिल कर सकेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- आधुनिक मीडिया की नवाचार तकनीक में कार्य करने में सक्षम
- मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशैली से तकनीकी दक्षता का ज्ञान
- मोजो तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से तकनीकी रूप से सक्षम
- नए युग की पत्रकारिता में तकनीकी ज्ञान में बेहतर

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1	**मोबाइल पत्रकारिता : दृष्टि एवं दिशा** 1. उद्भव और विकास 2. पत्रकारिता का नया दौर	13	02		15	**50**

	3. मोबाइल पत्रकारिता का प्रभाव 4. सेल्फी पत्रकारिता 5. भविष्य एवं चुनौतियां					
मॉड्यूल-2	**मोबाइल पत्रकारिता: तकनीक एवं कार्य पद्धति** 1. आवश्यक तकनीकी संसाधन 2. प्रमुख उपयोगी ऐप 3. मोजो न्यूज गेदरिंग – समाचार पत्र में 4. मोजो प्रसारण-टीवी पर/रेडियो पर 5. मोजो प्रसारण-सोशल मीडिया /लाइवस्ट्रीमिंग	13	02		15	**50**
योग		**26**	**04**		**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब ,मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रि क्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्य क्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	**-**	**-**	-	**X**	**X**	-	**-**	**-**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
			कुल 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती है तो लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुति करण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.	पाठ्य-	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• झिंगरन, प्रभु. (2021). मोबाइल पत्रकारिता: अवधारणा संभावनायें और तकनीक. वाराणसी : भारती प्रकाशन. • कौस्तुभ, डॉ. कुमार. (2019). मोबाइल पत्रकारिता. नई दिल्ली : के. के. पब्लिकेशन.

		• राय, डॉ. अनिल कुमार. (2006). संचार प्रौद्योगिकी और जन माध्यम. नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. • कुमार, सुरेश. (2004). *इन्टरनेट पत्रकारिता.* नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन. • हिल स्टीव एवंब्रैडशॉ पॉल. (2018). मोबाइल-फ़र्स्ट जर्नलिज्म: सोशल और इंटरेक्टिव मीडिया. लंदन, यूनाइटेड किंगडम: रूटलेज. • Rai, Dr. Anil Kumar. (2007). Community Journalism. New Delhi: shree Publishers. • Stewart, Feter. (2017). The live Streaming handbook: How to create live video for social media on your phone and desktop. Routledge.
3	ई-संसाधन	www.mojo-manual.org www.journaliststoolbox.org www.mobile-storytelling.com
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : जनमाध्यमों के लिए रिपोर्टिंग
2. पाठ्यचर्या का कोड :
3. क्रेडिट : 02
4. सेमेस्टर : प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	14
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या में समाचार की अवधारणा एवं संरचना, समाचार रिपोर्टिंग की अवधारणा एवं सिद्धांत, रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र, विविध मीडिया के लिए समाचार रिपोर्टिंग आदि प्रमुख बिंदु शामिल हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: -
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1. समाचार रिपोर्टिंग एवं लेखन कौशल विकसित करना।
2. प्रिंट मीडिया, रेडियो तथा टीवी मीडिया में संवाददाता के रूप में कार्य करने हेतु तैयार करना।
3. मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने की कुशलता निर्माण करना।
4. समाचार एजेंसी में कार्य करने हेतु तैयार करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/	कौशल विकास गतिविधि (Skill Development)		
मॉड्यूल-1	**समाचार की अवधारणा एवं संरचना** ● समाचार का अर्थ एवं परिभाषा, तत्व, प्रकार ● समाचार के स्रोत, संरचना व मूल्य ● समाचार रिपोर्टिंग के प्रमुख सिद्धांत तकनीक एवं संसाधन ● समाचार रिपोर्टर की विशेषताएं,कार्य, दायित्व, चुनौतियाँ ● रिपोर्टिंग के प्रमुख क्षेत्र व कार्य विधि	**07**	02	**06**	15	**50**

मॉड्यूल-2	**रेडियो एवं टीवी मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक** ● रेडियो समाचार की संरचना ● टीवी समाचार की संरचना ● रेडियो रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण ● टीवी रिपोर्टिंग की तकनीक एवं उपकरण ● रिर्पोटिंग की नवीन शैलियाँ	**07**	02	**06**	15	**50**
योग		**14**	**04**	**12**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील,
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा,प्रायोगिकी,क्षेत्र कार्य,पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
	X	X			-	-	X	-	-	-	-	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
			कुल 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती है तो लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतिकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• समाचार लेखन आर्य .के.पी :, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली • समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला हरिमोहन :, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली

		• भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,लेखक-डॉ. देवव्रत सिंह, प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन, दिल्ली। • खोजी पत्रकारिता – एच भीष्मपल .प्रकाशन विभाग -1988 • ब्रेकिंग न्यूज- पुण्य प्रसून बाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000 • साइबर पत्रकारिता-विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012 • क्लास रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014 • टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन,लेखक-एचएच मुस्तफा जैदी,प्रकाशक- सुलभ प्रकाशन, लखनऊ। • एंकर रिपोर्टर, लेखक- पुण्य प्रसून बाजपेयी, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। • Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra • News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi • Newswriting and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, .2007 • News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, .2006 • "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin,New York. McGrawHill Pub. .2003
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम : टेलीविज़न पत्रकारिता**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट: 02**
4. **सेमेस्टर: द्वितीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**14**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**10**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**02**
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**

इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी टेलीविज़न पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए तकनीकी ज्ञान अर्जित कर सकेगा साथ ही टेलीविज़न पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत होने के साथ-साथ टेलीविज़न पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण योग्यता में भी सक्षम हो सकेगा।

(Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- टेलीविज़न समाचारों को आवश्यकता के अनुरूप विकसित करने में सक्षम।
- टेलीविज़न समाचारों का प्रसारण करने की क्षमता का विकास।
- टेलीविज़न समाचार चैनलों में एंकर/ रिपोर्टर के रूप में कार्य करने की क्षमता।
- समाचार प्रस्तुतीकरण की कार्यक्षमता का विकास।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	कौशल विकास गतिविधि (Skill Development)		
मॉड्यूल-1	**टेलीविज़न पत्रकारिता : परिचय एवं पविधि** • टेलीविज़न पत्रकारिता: अवधारणा - टेलीविज़न पत्रकारिता से आशय • टेलीविज़न समाचार चैनलों की संरचना • टेलीविजन एंकर - गुण, विशेषताएं, दायित्व, सावधानियां एवं चुनौतियां • टेलीविज़न रिपोर्टर : - गुण, विशेषताएं, दायित्व, सावधानियां एवं चुनौतियां	07	02	06	15	50
मॉड्यूल-2	**टेलीविज़न समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण** • टेलीविज़न समाचार लेखन की संरचना • समाचारों की भाषा एवं प्रस्तुतीकरण - वॉइस ओवर - पीस टू कैमरा (पीटीसी) - बाईट • समाचार कार्यक्रम विधाएं - टॉक शो, चैट शो, पैनल चर्चा	07	02	06	15	50
योग		**14**	**04**	**12**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक, समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक, मूडल्स, गूगल मीट।
विधियाँ	व्याख्यान परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण

तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्युटर सहायित अनुदेशन, पावर, पोईंट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	**X**	-	-	**X**	-	**X**	**X**	-	-	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• राय, अनिल कुमार (2006). संचार के सात सोपान, नई दिल्ली, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन • राय, अनिल कुमार (2007). आधुनिक पत्रकारिता एवं संचार कर्म, नई दिल्ली, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन • Rai, Anil Kumar (2015). Satetite Media : Challenges and Opportunities, New Delhi, Shree Publication. • जैदी, एच एच मुस्तफा. (2001). *टेलीविज़न समाचार लेखन और वाचन.* लखनऊ: सुलभ प्रकाशन. • पचौरी, सुधीश. (2000). *दूरदर्शन: विकास से बाज़ार तक* (द्वितीय संस्करण).नई दिल्ली: प्रवीण प्रकाशन. • बाजपेई, पुण्य प्रसून. (2006). *एक्टर रिपोर्टर.* नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. • सिंह, डॉ. देवव्रत. (2007). *भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया.* दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. • कठेरिया, डॉ. धरवेश और सिंह, डॉ. महावीर. (2015). *दूरदर्शन माध्यम और तकनीक.* दिल्ली: नेहा प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/ https://epgp.inflibnet.ac.in/ http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11 https://www.openschoolofjournalism.com/ https://www.indiantelevision.com/ https://home.kpmg/in/en/home.html
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: मीडिया लेखन**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड:**
3. **क्रेडिट : 2**
4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**14**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**10**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**02**
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. **पाठ्यचर्या विवरण :**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कार्यक्रमों का आवश्यकता के अनुरूप लेखन में सक्षम.
- मीडिया लेखन एवं संपादन की दक्षता.
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन व सामग्री निर्माण की क्षमता का विकास.
- मीडिया लेखन व संपादन का कौशल विकास.
- मीडिया की भाषा की समझ और दायित्वपूर्ण कार्यक्रम के संयोजन की क्षमता.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents **of the** Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित है)	**प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/		
मॉड्यूल-1	**प्रिंट मीडिया लेखन की अवधारणा एवं विधि आयाम** 1.1 लेखन की अवधारणा, प्रकार एवं स्रोत 1.2 लेखन की सद्धांतिकी एवं विशिष्ट लेखन (सामग्री संकलन एवं निर्माण) 1.3 लेखन के विविध क्षेत्र : संपादकीय, स्तम्भ, फीचर, रिपोर्ताज, समीक्षा एवं साक्षात्कार व अन्य. 1.4 संपादन तकनीक : अवधारणा, रिपोर्टिंग व संपादन के सह-संबंध,	**07**	**02**	06	15	**50%**

	संपादन कार्य-प्रक्रिया व दायित्व 1.5 संपादन के प्रमुख सॉफ्टवेयर : क्वार्क एक्सप्रेस, एडोब पेजमेकर, इनडिजाइन					
मॉड्यूल-2	**इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन** 2.1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि एवं वर्तमान परिदृश्य 2.2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रमुख क्षेत्र : रेडियो, टेलीविजन व अन्य 2.3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषाऔर प्रवृत्ति. 2.4 इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की नवीन शब्दावली 2.5 विशिष्ट कार्यक्रमों हेतु लेखन एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, सीमाएं एवं सावधानियां.	**07**	**02**	06	**15**	**50%**
योग		**14**	**04**	**12**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	**X**	**X**	-	-	-	-	-	-	**-**	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता ह□
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता ह□

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
			कुल 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती ह□ लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	**मौखिकी**

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतिकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया : नई दिल्ली . • त्रिखा नंदकिशोर.विद्यालय प्रकाशनविश्व :वाराणसी .प्रेस विधि . • Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited. • Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company. • Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing. • Dhirajlal&Ratanlal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.
3	ई-संसाधन	• **http://www.jru.edu.in/wp-content/uploads/moocs/e-books/journalism-and-mass-communication/Media_Ethics_Laws.pdf** • **https://old.o94.at/wp-content/uploads/Introduction-to-Media-Law_EN.pdf** • **https://www.loyolacollege.edu/e-document/viscom/Prof.Bharathi/Handbook_of_Mass_Media_Ethics.pdf** • **https://epgp.inflibnet.ac.in/** • **https://swayam.gov.in/**

4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम: मीडिया विधि एवं आचार संहिता**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड:**
3. **क्रेडिट : 2**
4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**14**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**10**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**02**
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण :

- समकालीन मीडिया में मीडिया विधि के नैतिक पक्ष को खोजना.
- मूल्यपरक उदाहरणों को संकलित करना.
- मीडिया विधि के पालन एवं उल्लंघन की समीक्षा करना.
- पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न अद्यतन उदाहरण एवं प्रकरण को जनमाध्यमों में अवालोकित कराना .
- संचार एवं सूचना संबंधी अधिनियमों की व्याख्याओं को मीडिया संस्थानों में उपयोग व संचालन करने की व्यवस्थाओं का प्रतिरूप देखना.
- मीडिया विधि के संदर्भ तथा आख्यानों को समझाना.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- मीडिया विधि के विविध आयामों से अवगत होना.
- विद्यार्थियों में पत्रकार पेशे की उच्च गरिमा को स्थापित करना.
- राष्ट्रीय महत्वा व प्रतिष्ठा के अनुपानार्थ मीडिया विधि एवं संबंधित वैधानिक अनुक्रमों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण.
- मीडिया की नैतिकता तथा अनुशासनात्मक अभिव्यक्ति को स्थापित करने हेतु सक्षम व्यावसायिक शक्तियों का निर्माण संभव.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents **of the** Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित है)	**कौशल विकास गतिविधि** (Skill Development)		
मॉड्यूल-1	1.1 भारत में स्वतन्त्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस कानून 1.2 प्रेस की अवधारणा, भारतीय संविधान में प्रेस व नियंत्रण के प्रावधान 1.3 प्रेस व्यावसायिकता के नियमन : निजता, गोपनीयता और अवमान	**07**	**02**	06	15	**50%**

	1.4 प्रेस संबंधी भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के प्रावधान 1.5 प्रेस एवं पुस्तक पंजीयन अधिनियम 1867 तथा टेलीविजन रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नियमन					
मॉड्यूल-2	2.1 प्रेस परिषद अधिनियम 1978 तथा प्रसार भारती अधिनियम 1990 2.2 मीडिया उद्योग में बौद्धिक संपदा संरक्षण के अधिकार, श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम 2.3 प्रेस आयोग : स्थापत्य एवं भूमिका (प्रथम व द्वितीय) 2.4 मीडिया की व्यावसायिकता और प्रसारण की आचार संहिता 2.5 सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम 2005, मीडिया और साइबर अपराध विधि	**07**	**02**	06	**15**	**50%**
योग		**14**	**04**	**12**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यानविधि, वस्तुविधि, दृष्टांतविधि
तकनीक	निगमनात्मक तथा आगमनात्मक
उपादान	

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य	ल क्ष्य

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	**X**	**X**	-	-	-	-	-	-	**-**	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
			कुल 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती है तो लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतिकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया : नई दिल्ली . • त्रिखा नंदकिशोर.विद्यालय प्रकाशनविश्व :वाराणसी .प्रेस विधि . • Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited. • Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company. • Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing. • Dhirajlal&Ratanlal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.
3	ई-संसाधन	• http://www.jru.edu.in/wp-content/uploads/moocs/e-books/journalism-and-mass-communication/Media_Ethics_Laws.pdf • https://old.o94.at/wp-content/uploads/Introduction-to-Media-Law_EN.pdf • https://www.loyolacollege.edu/e-document/viscom/Prof.Bharathi/Handbook_of_Mass_Media_Ethics.pdf • https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://swayam.gov.in/
4	अन्य	